



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

C. K. Singh  
26/12/84

सं० 150]

No. 150]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 19, 1984/अश्विन 27, 1906

NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 19, 1984/ASVINA 27, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1984

सं० एफ० 4(5) डब्ल्यू एण्ड एम/84—7.75 प्रतिशत  
ऋण, 1989, 8.50 प्रतिशत ऋण, 1994 (तीसरा निर्गम)  
और 10.50 प्रतिशत ऋण, 2014 के लिए 750 करोड़  
रुपयों की कुल राशि के लिए 29 अक्टूबर, 1984 को बैंकिंग  
समय की समाप्ति तक अभिदान नकदी में या भारत सरकार  
के 5½ प्रतिशत ऋण, 1984 की प्रतिभूतियों के रूप में  
स्वीकार किये जाएंगे। परकाम्य लिखत अधिनियम, 1881  
के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 29 अक्टूबर, 1984 को  
छुट्टी घोषित किये जाने पर अगले कार्य दिन बैंकिंग समय की

समाप्ति तक संबंधित आदाता कार्यालयों में अभिदान स्वीकार  
किये जाएंगे। सरकार को 750 करोड़ रुपयों से अधिक प्राप्त  
10 प्रतिशत तक के अभिदानों को रख लेने का अधिकार  
है।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 825  
करोड़ रुपयों से अधिक हो तो अभिदाताओं को आनुपातिक  
आधार पर नकदी में आंशिक आबंटन किया जाएगा। यदि  
आंशिक आबंटन किया जाता है तो आंशिक आबंटन के बाद  
यथाशीघ्र अधिक अभिदान की राशि लौटा दी जाएगी।  
इस प्रकार लौटाई गयी राशि पर कोई ब्याज अदा नहीं किया  
जाएगा।

3. सं० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने  
वाला और 29 अक्टूबर 1989 को सममूल्य पर प्रतिदेय  
7.75 प्रतिशत ऋण, 1989

(1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 29 अक्तूबर 1989 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(2) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।

(3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 29 अक्तूबर 1984 से वार्षिक 7.75 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 29 अप्रैल और 29 अक्तूबर को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 9 और 10 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा। ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जायेगी।

4. रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 1 जून 1994 को सममूल्य पर प्रतिदेय 8.50 प्रतिशत ऋण, 1994 (तीसरा निर्गम)

(1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 1 जून, 1994 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(2) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।

(3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 29 अक्तूबर 1984 से वार्षिक 8.50 प्रतिशत होगी। 29 अक्तूबर 1984 से 30 नवंबर 1984 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि का ब्याज 1 दिसंबर 1984 को अदा किया जायेगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 1 जून और 1 दिसंबर को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 9 और 10 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा। ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जायेगी।

5. रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 29 अक्तूबर 2014 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.50 प्रतिशत ऋण, 2014

(1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 29 अक्तूबर, 2014 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(2) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।

(3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 29 अक्तूबर 1984 से वार्षिक 10.50 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 29 अप्रैल और 29 अक्तूबर को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 9 और 10 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा। ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जायेगी।

### परिवर्तन की शर्तें

6. 5 $\frac{1}{2}$  प्रतिशत ऋण, 1984 की प्रतिभूतियां सममूल्य पर नये ऋणों में परिवर्तन के लिए स्वीकार की जायेंगी। परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जाने वाली 5 $\frac{1}{2}$  प्रतिशत ऋण, 1984 की प्रतिभूतियों पर 28 अक्तूबर 1984 सहित उस तारीख तक, वार्षिक 5 $\frac{1}{2}$  प्रतिशत की दर पर ब्याज अदा किया जायेगा।

### पूरक व्यवस्थाएं

7. आवेदन-पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जाएंगे :—

(क) ग्रहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बम्बई (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, गौहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में सभी जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं।

8. ब्याज अदा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के ग्रहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बम्बई, कलकत्ता, गौहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और काश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप राजकोष में ब्याज अदा किया जाएगा।

9. ब्याज अदा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी अदायगी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं है या जिन पर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है, वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती कर उसे ब्याज अदा किया जाए।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है, ब्याज अदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणा-पत्र भेजने पर कर की कटौती किये बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

10. अब जारी किये जाने वाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलने वाली आय को वार्षिक 7,000 रुपये की सीमा तक और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80ठ के अन्य उपबंधों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

11. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी 2,65,000 रुपये की सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

12. प्रतिभूतियां निम्नलिखित के रूप में जारी की जाएंगी—

(1) स्टाक प्रमाणपत्र, या (2) वचनपत्र।

यदि आवेदक इनमें से किसी का उल्लेख न करें तो उन्हें वचनपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां जारी की जाएंगी।

13. ऋणों के लिए आवेदनपत्र—ऋणों के लिए आवेदन-पत्र रु० 100 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

14. आवेदनपत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें अपेक्षित प्रतिभूतियों की राशि और विवरण, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहां आवेदक ब्याज की अदायगी की अपेक्षा करता है।

15. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या बैंक या परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जाने वाली 5<sup>1/2</sup> प्रतिशत ऋण, 1984 की प्रतिभूतियों के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले बैंक संबंधित बैंक के नाम आहरित किये जाने चाहिए।

परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जाने वाली प्रतिभूतियां धारक द्वारा सरकार को निम्न प्रकार अंतरित की जाएं—

(1) यदि स्टाक प्रमाणपत्रों के रूप में हों तो प्रमाणपत्र के पीछे अंतरण विलेख के फार्म पर किसी साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर करें,

(2) यदि वचनपत्रों के रूप में हों तो उन्हें निम्न प्रकार से पृष्ठांकित किया जाए :

“भारत के राष्ट्रपति को अदा करें”

16. स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से ऋण आवेदन-पत्रों पर किये गये आबंटनों पर तथा दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मुहुरयुक्त ऋण-आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर प्रति रु० 100:00 (सांकेतिक) 6 पैसे की दर पर दलाली अदा की जायेगी। बैंक—वाणिज्य और सहकारी बैंक—उनके अपने अभिदानों के लिए दलाली की अदायगी के पात्र नहीं होंगे।

दलाली की अदायगी के लिए ऋण जारी किये जाने की तारीख से छः महीने के भीतर संबंधित कार्यालयों में दावा पेश किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के आदेश से,  
ए० रंगाचारी, संयुक्त सचिव

#### आवेदन-पत्र का फार्म

म/हम\*.....  
इसके साथ रु०..... (..... रुपये) के लिए नकदी\*/  
..... (..... रुपये) के सांकेतिक मूल्य  
की 5<sup>1/2</sup> प्रतिशत ऋण, 1984 की प्रतिभूतियां प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं\* और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें\* नीचे उल्लिखित

मूल्य वर्ग/मूल्य वर्गों में बचनपत्र/पत्रों\* के रूप में रु०.....के सार्वजनिक मूल्य के 7.75 प्रतिशत ऋण 1989\*/8.50 प्रतिशत

### स्टाक प्रमाणपत्र

ऋण, 1994 (तीसरा निगम)\*/ 10.50 प्रतिशत ऋण, 2014\* की प्रतिभूतियां जारी की जाएं :—

प्रति बचनपत्र रु. .... का (के)† ..... बचनपत्र  
 प्रति बचनपत्र रु. .... का (के)† ..... बचनपत्र  
 प्रति बचनपत्र रु. .... का (के)† ..... बचनपत्र  
 2. मैं/हम\* चाहता हूँ/चाहते हैं कि उनका ब्याज ..... में अदा किया जाए।

विशेष टिप्पणी: इस खाने में आवेदक कुछ न लिखे।  
 प्रतिभूतियां आदाता कार्यालय द्वारा की जाएंगी।

	छोटे हस्ताक्षर	बिनांक	हस्ताक्षर पूरा (पूरे) नाम
आवेदन पत्र सं.			पता: .....
"बलाली नहीं" मुहर			.....
नकदी प्राप्त होने की तारीख			.....
चैक वसूल होने की तारीख			बिनांक: ..... अक्टूबर 1984
विशेष बालू खाते में जमा करने की तारीख			
जांच की गयी			
नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया			
बलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया			
मोह पत्र सं.			
प्रतिभूति सं.			
कार्ड सं.			
वाउचर पारित करने की तारीख			

\*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

रु० 100, रु० 200, रु० 500, रु० 1000, रु० 5,000 रु० 10,000, रु० 25,000, रु० 50,000 और रु० 1,00,000 के मूल्य वर्गों में बचनपत्र जारी किये जायेंगे। जो मूल्य वर्ग ओझित हो उसका यहां उल्लेख करें।

टिप्पणियां: (1) परिवर्तन के लिए प्रस्तुत प्रतिभूतियां यदि बचनपत्रों के रूप में हों तो उन्हें आवेदक(कों) के हस्ताक्षरों सहित इन शब्दों के साथ पूर्णांकित किया जाए—“भारत के राष्ट्रपति को अदा करें” और यदि वे स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में हों तो उनके पीछे दिये गये अंतरण विलेख पर आवेदक किसी साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर करे/करें।

- (2) प्रत्येक ऋण, अभिवान के प्रत्येक प्रकार और अपेक्षित नये ऋण को प्रत्येक प्रकार की प्रतिभूति (स्टॉक प्रमाणपत्र या बचनपत्र) के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।
- (3) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगूठे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएं।
- (4) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो, संलग्न किये जाएं :—
  - (1) निगम/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रतिलिपि।
  - (2) कंपनी/निकाय के हायन पत्र और अंतनियम या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां।
  - (3) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनबेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति (यों) के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिवत् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।

5. जो आवेदक स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां प्राप्त करना चाहते हैं उन्हें छमाही ब्याज के प्रेषण के लिए (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) प्रादेश फार्म भी भरना चाहिए।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 19th October, 1984

No.F.4(5)W&M/84.—Subscriptions for the issues of 7.75 per cent Loan, 1989, 8.50 per cent Loan, 1994 (Third Issue) and 10.50 per cent. Loan, 2014 for an aggregate amount of Rs. 750 crores will be received in the form of cash or of securities of Government of India, 5-3/4 per cent Loan, 1984 on the 29th October, 1984 upto the close of Banking hours. In the event of 29th October, 1984 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent. in excess of the sum of Rs. 750 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 825 crores, partial allotment will be made to the subscribers in cash on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 7.75 per cent. Loan, 1989 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 29th October, 1989—

(i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 29th October, 1989.

(ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 7.75 per cent per annum from 29th October, 1984. Interest will be paid half-yearly on the 29th April and 29th October. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

4. 8.50 per cent Loan, 1994 (Third Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 1st June, 1994—

(i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 1st June, 1994.

(ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 8.50 per cent per annum from 29th October, 1984. Interest for the period from 29th October, 1984 to 30th November, 1984 (inclusive) will be paid on 1st December, 1984 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 1st June and 1st December. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

5. 10.50 per cent Loan, 2014 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 29th October, 2014—

(i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 29th October, 2014.

(ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 10.50 per cent per annum from 29th October, 1984.

Interest will be paid half-yearly on the 29th April and 29th October. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

## CONVERSION TERMS

6. The securities of 5-3/4 per cent Loan, 1984 will be accepted for conversion into the new loans at par. Interest on the securities of 5-3/4 per cent Loan, 1984 tendered for conversion will be paid at the rate of 5-3/4 per cent per annum upto and inclusive of the 28th October, 1984 at the time of issue of new securities.

## SUPPLEMENTARY PROVISIONS

7. Applications will be received at—

(a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum;

and

(b) Branches of the State Bank of India at all the DISTRICT HEADQUARTERS in India except at (a) above.

8. Place of Payment of Interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India, except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

9. Refunds of tax deducted at the time of payment of Interest at the rates prescribed by the Annual Finance Acts will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

10. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

11. The value of investments in the Loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the Wealth-tax upto Rs. 2,65,000.

12. The securities will be issued in the form of—

(i) Stock Certificates; or (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the Securities will be issued in the form of Promissory Notes.

13. Applications for the Loans.—Applications for the Loans must be for Rs. 100 or a multiple of that sum.

14. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

15. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque or securities of the 5-3/4 per cent Loan, 1984 which are being offered for conversion. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

The securities tendered for conversion must be transferred by the holder to the Government—

- (i) In the case of Stock Certificates, by signing the form of transfer-deed on the reverse of the certificate before a witness.

(ii) in the case of Promissory Notes, by endorsing them in the manner indicated below:

'Pay to the President of India'.

14. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the concerned offices within six months from the date of floatation of the loans.

By Order of the President,  
A. RANGACHARI, Jt. Secy.

### FORM OF APPLICATION

I/We\* .....  
[Full Name(s) in Block Letters]

herewith tender\*Cash/Cheque for Rs.....(Rupees.....)/"Securities of 5-3/4 per cent Loan, 1984 of the nominal value of Rs.....(Rupees.....) and request that Securities of 7.75 per cent. Loan, 1989\*/ 8.50 per cent Loan, 1994 (Third Issue)\*/ 10.50 per cent Loan, 2014\* of the nominal value of Rs.....may be issued to me/us\*in the form of :

\*Promissory Note(s) in the denomination(s) stated below:—

Stock Certificate

.....Promissory Note(s) of Rs.....each.  
.....Promissory Note(s) of Rs.....each.  
.....Promissory Note(s) of Rs.....each.

2. I/We\*desire that interest be paid at.....

N.B.—The applicant should not write anything in this cage.  
The entries will be filled in by the Receiving Office.

	Initials	Date
Application No .....		
N. B. Stamp.....		
Cash Received on .....		
Cheque Realised on .....		
Credited to Special Current Account on.....		
Examined .....		
Cash Applications Register posted .....		
Brokerage Register posted.....		
Indent No.....		
Scrip No.....		
Card No.....		
Voucher passed on .....		

Signature(s) .....  
Name(s) in full.....  
(Block Letters)

Address.....

Dated, the.....  
October, 1984.

\*Delete what is not required.

†Promissory Notes will be issued in denomination of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 500, Rs. 1,000, Rs. 5,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000 and Rs. 1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

- Notes:— (1) Securities tendered for conversion should be endorsed with the words 'Pay to the President of India' over the signature of the applicant/s, if they are in the form of Promissory Notes and the transfer deed on the reverse should be signed by him/them before a witness, if they are in the form of Stock Certificates.
- (2) Separate applications should be made for each Loan, each form of subscription and each form of scrip (Stock Certificate or Promissory Note) of the New Loan required.
- (3) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.
- (4) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application:—
- (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
  - (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/ Bye-laws of the company/body.
  - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government Securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (5) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.

